राजा हत्याकांड में नया खुलासा : सरेंडर से पहले शिलांग में सोनम के साथ रुका था परिवार

राजा के भाई ने गेस्ट हाउस का रिकॉर्ड खंगालने की उठाई मांग, सोनम के भाई ने कहा- आरोप बेबुनियाद

इंदौर. कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में सुनवाई के दौरान अब घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया है. शिलांग कोर्ट से लौटे राजा के बड़े भाई विपिन रघुवंशी ने दावा किया है कि मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी के आत्मसमर्पण से पहले उसका परिवार भी कई दिनों तक उसी गेस्ट हाउस में ठहरा था, जहां सोनम रह रही थी. उन्होंने जांच एजेंसियों से गेस्ट हाउस के अभिलेख और वहां जमा कराए पहचान पत्रों की पड़ताल करने की मांग की है. दूसरी ओर, सोनम के भाई गोविंद रघुवंशी ने इन आरोपों को पूरी तरह असत्य बताया है. राजा के भाई विपिन ने बताया कि

उन्हें न्यायालय में साक्ष्य के तौर पर जब्त किए आभूषण दिखाए, जिनकी पहचान कराई गई. उनका कहना है कि बरामद सामान में एक मंगलसूत्र और सोने की चेन ऐसे दस्तावेजों के साथ मिली, जिनका संबंध सह आरोपी राज कुशवाह से बताया. विपिन ने सवाल उठाया कि सीमित आय वाला व्यक्ति लाखों रुपए के आभूषण कैसे खरीद सकता है.

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सोनम रघुवंशी सहित अन्य आरोपियों को देखा

उनका यह भी कहना है कि खरीद से जुड़े दस्तावेज विवाह से पहले के हैं, जिससे पूरे मामले में नए संदेह पैदा होते हैं. विपिन का कहना है कि शिलांग में मिली जानकारी के आधार पर उन्हें बताया गया कि सोनम के परिवार के सदस्य भी कुछ दिनों तक उसी ठिकाने पर मौजूद थे. उनका कहना है कि यदि ऐसा है तो गेस्ट हाउस के रजिस्टर, पहचान पत्रों की प्रतियां और ठहरने का रिकॉर्ड पूरे घटनाक्रम की कई परतें खोल सकता है. उन्होंने यह भी आशंका जताई कि कमरा किसी दूसरे व्यक्ति के नाम से बुक कराया हो सकता है. उन्होंने बताया कि सुनवाई के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उन्होंने सोनम रघुवंशी सहित अन्य आरोपियों को देखा. उनका कहना था कि जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर दोषियों को शीघ्र सजा मिलनी चाहिए. उधर, विपिन के आरोपों का जवाब देते हुए सोनम के भाई गोविंद रघुवंशी ने कहा कि जिस समय की बात कही जा रही है, उस दौरान उनके माता पिता इंदौर में मौजूद थे, जबकि वह स्वयं व्यावसायिक कार्य से बेंगलुरु गए हुए थे. उन्होंने परिवार के शिलांग में रहने के दावे को महज अफवाह और तथ्यहीन बताया.

27 अपराधों वाला पूर्व पार्षद अनवर कादरी बंदी फर्जी शस्त्र लाइसेंस से लिया था हथियार

- सदर बाजार पुलिस ने एक साल से फरार आरोपी को पकड़ा,
- हत्या के प्रयास, लूट और अवैध हथियार सहित कई मामलों में दर्ज हैं अपराध

नव भारत न्यूज

इंदौर. गंभीर अपराधों में शामिल और लंबे समय से फरार चल रहे आदतन अपराधी पूर्व पार्षद अनवर कादरी उर्फ डकैत को सदर बाजार पुलिस ने गिरफ्तार किया है. आरोपी के खिलाफ इंदौर शहर के विभिन्न थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, बलवा, अवैध हथियार और मारपीट सहित 27 से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं.

ज्ञात हो कि फरवरी 2025 में आरोपी अनवर कादरी ने फरियादी जावेद खान के घर में लाइसेंसी बंदूक लेकर जबरन घूसा था. इस दौरान उसने मारपीट और धमकी दी थी. जांच में सामने आया कि आरोपी ने जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले से जारी फर्जी शस्त्र लाइसेंस के आधार पर हथियार हासिल किया था. इस मामले में सदर बाजार थाने में आर्म्स एक्ट सहित धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था. घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था, जिसे पुलिस ने 6 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी के खिलाफ शहर के अलग अलग थानों में 27 से अधिक गंभीर अपराध दर्ज हैं. बाणगंगा थाने में दर्ज दो मामलों में भी वह लंबे समय से फरार था. उसकी आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए उसके खिलाफ एनएसए के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है.

इनका कहना है.....

अनवर कादरी के आपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए उसकी गिरफ्तारी की गई है. अवैध हथियार और फर्जी दस्तावेजों से जुड़े मामलों में भी पुलिस सख्ती से कार्रवाई कर रही है.

एसीपी जोन 1, अशोक सिंह जादौन

दोस्ती से इनकार किया तो शादी तुड़वाने की साजिश, फर्जी इंस्टाग्राम आईडी से मंगेतर को भेजे मैसेज

युवती और परिजनों के नाम से बनाए सोशल मीडिया अकाउंट

नव भारत न्यूज

इंदौर. दोस्ती से इनकार करने पर एक युवक ने युवती की शादी तुड़वाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया. आरोपी ने युवती और उसके परिजनों के नाम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर उसके मंगेतर, ससुराल पक्ष और परिचितों को आपत्तिजनक संदेश भेजे. परेशान युवती ने परिजनों के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद अन्नपूर्णा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. च्वॉइस पैलेस कॉलोनी निवासी 26 वर्षीय युवती ने शिकायत में बताया कि छोटी ग्वालटोली निवासी सीमित वर्मा उसे लगातार परेशान कर रहा था. आरोपी उसके घर के आसपास घूमता और रास्ते में उसका पीछा भी करता था. आरोप है कि युवती ने जब आरोपी से बातचीत और दोस्ती रखने से इनकार कर दिया तो उसने रंजिश में उसकी शादी प्रभावित करने की कोशिश शुरू कर दी. आरोपी ने युवती और उसके परिवार के सदस्यों के नाम से फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट तैयार किए और इन अकाउंट से युवती के मंगेतर, ससुराल पक्ष के लोगों और दोस्तों को आपत्तिजनक संदेश भेजे. फर्जी अकाउंट से भेजे गए संदेशों की जानकारी मिलने के बाद युवती और उसके परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस से की. पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी सीमित वर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है. अब पुलिस साइबर तकनीक की मदद से फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट, मोबाइल नंबर और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है. पुलिस आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है.

जांच की जा रही है...

युवती की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. सोशल मीडिया अकाउंट और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है. आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं.
-एडिशनल डीसीपी, राजेश दंडोतिया

इलाज खर्च के दावे पर हाईकोर्ट ने एसडीओ को तलब किया

- गैस पाइपलाइन हादसा
- पीड़ित पक्ष ने उठाया लंबित इलाज बिलों का मुद्दा
- जूनी इंदौर एसडीओ को जवाब के समर्थन में शपथ पत्र के साथ उपस्थित होने के निर्देश

नव भारत न्यूज

इंदौर. विजय नगर स्थित अवंतिका गैस पाइपलाइन हादसे में घायलों के इलाज खर्च को लेकर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने गुरुवार को जूनी इंदौर के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को जवाब के समर्थन में शपथ पत्र दाखिल करने के निर्देश दिए हैं. कोर्ट ने संबंधित अधिकारी को अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने को भी कहा है. याचिकाकर्ता रितेश ईणानी की याचिका पर सुनवाई के दौरान मामले के जांच अधिकारी ने केस डायरी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की. शासन की ओर से सुनवाई में बताया गया कि हादसे में झुलसे पीड़ितों के इलाज का खर्च वहन किया जा चुका है. इस पर पीड़ित पक्ष की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई. अधिवक्ता श्रवण कुमार लाहोटी ने कोर्ट के समक्ष बताया कि कुछ पीड़ितों के इलाज खर्च का भुगतान अब भी लंबित है. हादसे में झुलसी इन्फ्लुएंसर गिरी उर्फ राजकुमारी झाला के उपचार का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्हें इंदौर से अहमदाबाद रेफर किया था और वहां उपचार के दौरान करीब 14 लाख रुपए का अस्पताल बिल लंबित है.

सुनवाई के दौरान अन्य पीड़ितों के इलाज खर्च को लेकर भी पक्षकारों की ओर से जानकारी रखी गई. दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने जूनी इंदौर के एसडीओ (राजस्व) को शासन के जवाब के समर्थन में शपथ पत्र प्रस्तुत करने और अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए.

मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी...

सुनवाई के दौरान पार्षद बालमुकुंद सोनी की ओर से अधिवक्ता अमित पाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित हुए थे. उल्लेखनीय है कि पूर्व सुनवाई में हाईकोर्ट के निर्देश के बाद पार्षद के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था.

व्यक्तिगत उपस्थिति के निर्देश- सुनवाई के दौरान इलाज खर्च को लेकर पक्षकारों की ओर से अलग अलग तथ्य न्यायालय के समक्ष रखे गए. न्यायालय ने मामले में स्थिति स्पष्ट करने के लिए जूनी इंदौर के एसडीओ से शपथ पत्र के साथ अगली सुनवाई में व्यक्तिगत उपस्थिति के निर्देश दिए हैं

एक नजर में

छात्र-छात्राओं को सिखाए साइबर सुरक्षा के गुर

महू. इंदौर ग्रामीण जिला पुलिस द्वारा युवाओं को जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए एक बेहतरीन पहल करते हुए सृजन संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है. इसके तहत गुरुवार को महू स्थित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों, साइबर अपराधों से सुरक्षा और उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना है. इस अभिनव योजना के अंतर्गत विद्यालय के कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान, बाल अधिकार, अपराध का सामान्य परिचय, पॉक्सो अधिनियम, साइबर सुरक्षा और सड़क सुरक्षा जैसे बेहद महत्वपूर्ण व संवेदनशील विषयों की विस्तृत जानकारी दी गई. इसके साथ ही युवाओं को नशे के जाल से बचाने के लिए %नशे से दूरी है जरूरी का संकल्प भी दिलाया गया. कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार वर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राज कृष्ण द्वारा किया गया. इस अवसर पर पुलिस और शिक्षा विभाग का अमला मुख्य रूप से मौजूद रहा, जिनमें पुलिस विभाग एसडीओपी ललित सिंह सिकरवार, महू कोतवाली थाना प्रभारी राहुल शर्मा, उपनिरीक्षक दीपक राठौर, मोहित तोमर, मिथुन ओसारी, महिला उपनिरीक्षक अलका सिंह, साइबर सेल से आरक्षक रवि तिवारी और आरक्षक रोहित और शिक्षा विभाग से शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय की प्राचार्या सुनीता जैन, शिक्षक अतुल पुरोहित सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा.

भाजपा मंडल सिमरोल की मासिक बैठक संपन्न

महू. भारतीय जनता पार्टी शहीद टंट्या मामा मंडल सिमरोल की मासिक संगठनात्मक बैठक गुरुवार को अहिल्या पठार पर संपन्न हुई. बैठक में मुख्य रूप से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में क्षेत्रीय विधायक ऊषा ठाकुर और जिला संगठन प्रभारी शैलेन्द्र डागा विशेष रूप से उपस्थित थे. दोनों नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन विस्तार और बूथ सशक्तिकरण का मार्गदर्शन दिया .जिला संगठन प्रभारी शैलेन्द्र डागा ने संगठन द्वारा अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की और आगामी गतिविधियों की जानकारी दी. बैठक की शुरुआत में जिला महामंत्री पूंजालाल निनामा ने सभी मंडल पदाधिकारियों की उपस्थिति दर्ज की. इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता कंचन सिंह चौहान, पूर्व जिला महामंत्री सुनील तिवारी, जिला मंत्री अजय यादव, मंडल अध्यक्ष रुपेश वाघमोड़े, मंडल प्रभारी सुनील गेहलोत, वीरेंद्र अंजना, महामंत्री गोपी पटेल, संतोष डाबी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे.

रिमझिम फुहारों के बीच महू में गूंजा बोल बम

महू. महेश्वर से पवित्र नर्मदा जल लेकर निकली सुप्रसिद्ध बाणेश्वरी कावड़ यात्रा का महू नगर आगमन पर ऐतिहासिक और भव्य स्वागत किया गया. कनाट रोड, संघी स्ट्रीट और हरी फाटक सहित शहर के तमाम प्रमुख मार्ग शिवभक्ति के रंग में सराबोर नजर आए. शहर की सीमा में प्रवेश करते ही विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक और धार्मिक संगठनों ने मंच बनाकर कावड़ यात्रियों का आत्मीय स्वागत किया और उन पर फूलों की वर्षा की. मौसम की रिमझिम बारिश के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने बोल बम और हर-हर महादेव के गगनभेदी जयघोष किए. विधायक गोलू शुक्ला ने यात्रा के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाणेश्वरी कावड़ यात्रा पिछले 24 वर्षों से पूरी श्रद्धा के साथ निरंतर निकाली जा रही है.यात्रा के दौरान पूर्व विधायक जीतू जिराती खुद माइक थामकर भजन गाते दिखे. तीसरे दिन महू पहुंचने पर कावड़ यात्रियों ने यहाँ रात्रि विश्राम किया। इसके बाद, गुरुवार सुबह पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ यह यात्रा अपने अगले पड़ाव इंदौर के लिए रवाना हो गई. कावड़ यात्रा का स्वागत पूजन, डॉ रीता उपमन्यु, के नेतृत्व में भी प्रेरणा यादव, के मार्गदर्शन में किशनगंज क्षेत्र में किया गया जिसमें, श्रीमती लीला, देवकी, रेनू, राजेश्वरी, कुसुम, श्रीमती वर्मा, श्रीमती कोटिया आदि अनेकों, लोगों ने श्री फल, माला तुलसी पौधा, मिठाई, भेंट कर किया गया.

दो सड़क हादसों में एक की मौत दूसरे ने 16 माह बाद तोड़ा दम

इंदौर. शहर में हुए दो अलग अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई. द्वारकापुरी क्षेत्र में सिटी बस की टक्कर से घायल व्यक्ति ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि खुड़ैल क्षेत्र में 16 माह पहले हुए हादसे में घायल किसान की उपचार के दौरान मौत हुई.

प्रजापत नगर में रहने वाले 42 वर्षीय रुपेंद्र लाभंते गुरुवार सुबह करीब 9.30 बजे अपने 18 वर्षीय बेटे कपिश के साथ बाइक से रीगल स्थित कार्यालय जा रहे थे. गुमास्ता नगर चौराहे के पास पीछे से आ रही सिटी बस के चालक ने सवारी बैठाने के लिए अचानक बस मोड़ी, जिससे बाइक बस की चपेट में आ गई. हादसे में रुपेंद्र गंभीर घायल हो गए, जबकि कपिश को मामूली चोट आई. रुपेंद्र को निजी अस्पताल ले जाया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई. हादसे के बाद बस चालक वाहन लेकर फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है. वहीं, खुड़ैल क्षेत्र में करीब 16 माह पहले हुए सड़क हादसे में 56 वर्षीय घायल किसान गोपाल पिता दामोदर राव निवासी पिडवाय की भी उपचार के दौरान मौत हो गई. गोपाल मंडी से घर लौटते समय मोपेड सवार की टक्कर से बाइक सहित गिरकर घायल हुए थे. वह चार माह तक कोमा में रहे और इसके बाद करीब एक साल से घर पर ही उनका इलाज चल रहा था. बुधवार रात तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया,

एयरपोर्ट में नौकरी का झांसा देकर 5 .29 लाख ठगे

- फर्जी जॉइनिंग लेटर देने वाला कोचिंग ट्रेनर फरार
- तीन युवाओं को बनाया शिकार, जॉइनिंग के लिए पहुंचे तो खुला फर्जीवाड़ा

नव भारत न्यूज

इंदौर. एयरपोर्ट अथॉरिटी और एयरलाइंस में नौकरी दिलाने का झांसा देकर तीन युवाओं से लाखों रुपए ठगने का मामला सामने आया है.

आरोपी ने फर्जी ऑफर और जॉइनिंग लेटर देकर पीड़ितों को भरोसे में लिया और अलग अलग किस्तों में 5 लाख 29 हजार 49 रुपए ले लिए. जब युवक जॉइनिंग के लिए पहुंचे तो दस्तावेज फर्जी निकले. शिकायत के बाद तुकोगंज पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है. पीड़ित अमित कुमार प्रजापति, रितेश वर्मा और मनस्वी गहलोत ने वर्ष 2024 और 2025 में एमजी रोड स्थित अक्शा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट से एविएशन और क्रू मेंबर से जुड़े कोर्स किए थे. इसी दौरान उनकी पहचान विनोबा नगर निवासी वैभव मेहता से हुई, जो संस्थान में ट्रेनिंग देता था. आरोप है कि कोचिंग छोड़ने के बाद वैभव ने तीनों से संपर्क किया और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया तथा इंडिगो एयरलाइंस में नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया. उसने नौकरी के नाम पर मनस्वी गहलोत से 1 लाख 14 हजार 650 रुपए, रितेश वर्मा से 2 लाख 74 हजार 399 रुपए और अमित प्रजापति से 1 लाख 40 हजार रुपए ले लिए. रकम लेने के बाद आरोपी ने तीनों को संबंधित संस्थानों के नाम से ऑफर लेटर और जॉइनिंग लेटर दे दिए. पीड़ित जब इन दस्तावेजों के साथ जॉइनिंग के लिए पहुंचे तो अधिकारियों ने जांच में उन्हें फर्जी बताया. इसके बाद तीनों ने तुकोगंज थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने जांच के बाद आरोपी वैभव मेहता के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है. पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है. साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसने इसी तरीके से अन्य युवाओं को भी तो अपना शिकार नहीं बनाया.

तथ्यों के आधार पर होगी कार्रवाई.- नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है, आरोपी की तलाश की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी.

एडिशनल डीसीपी, राजेश दंडोतिया

खजराना के पूर्व टीआई दिनेश वर्मा डिमोट, 1240 प्रकरणों में एक जैसे गवाह बनाने पर कार्रवाई

विभागीय जांच में खुला विवेचना का खेल, हत्या दुष्कर्म समेत गंभीर मामलों में लापरवाही का आरोप

नव भारत न्यूज

इंदौर. खजराना थाने में पदस्थापना के दौरान विवेचना में गंभीर अनियमितताओं के मामले में पूर्व थाना प्रभारी दिनेश वर्मा पर कार्रवाई की गई है. विभागीय जांच में दोषी पाए जाने के बाद पुलिस कमिश्नर ने उनका पद घटाकर निरीक्षक से उपनिरीक्षक कर दिया है. जांच में सामने आया कि उनके कार्यकाल में बड़ी संख्या में आपराधिक प्रकरणों में सीमित लोगों को ही गवाह बनाया था.

दिनेश वर्मा 31 अगस्त 2020 से 2 अगस्त 2023 तक खजराना थाने में थाना प्रभारी के पद पर पदस्थ रहे थे. विभागीय जांच के दौरान थाने के पुराने प्रकरणों की पड़ताल की गई तो विवेचना प्रक्रिया को लेकर कई सवाल सामने आए. जांच में पता चला कि उनके कार्यकाल में 742 मामलों में इरशाद पिता अब्दुल हकीम और 504 मामलों में नवीन पिता रामचंद्र चौहान को गवाह बनाया गया. इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट, धोखाधड़ी, कूटरचना, आबकारी और एनडीपीएस एक्ट जैसे गंभीर अपराध भी शामिल थे. जांच अधिकारियों ने माना कि अलग अलग मामलों में एक ही तरह के गवाहों की लगातार मौजूदगी से विवेचना की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए. इसके बाद विभागीय जांच में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर कार्रवाई की गई. पुलिस कमिश्नर के आदेश के बाद दिनेश वर्मा को निरीक्षक पद से पदावनत कर उपनिरीक्षक बनाया है.

निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं...

विभागीय जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की गई है. पुलिसकर्मियों को विवेचना में नियमों का पालन करने और निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं.

डीसीपी जोन 2 अमन सिंह राठौर

प्लॉट फर्जीवाड़े में नाना पटवारी से 6 घंटे पूछताछ सुमित मंत्री से डायरी बनवाने की बात मानी

जीतू तींदोरी को पहचानने की बात स्वीकारी, 20 लाख रुपए के लेनदेन में भूमिका से इनकार; आज भरत पटवारी से पूछताछ

नव भारत न्यूज

इंदौर. शुभम वैली प्लॉट फर्जीवाड़ा, ड्रग्स और सट्टा कनेक्शन मामले में राजेंद्र नगर पुलिस ने कुलभूषण उर्फ नाना पटवारी से करीब छह घंटे तक पूछताछ की. पूछताछ के दौरान नाना पटवारी ने शुभम वैली के 4 से 5 प्लॉट की डायरियां कॉलोनाइजर सुमित मंत्री से बनवाने की बात स्वीकार की है. वहीं, पीड़ित को 20 लाख रुपए देने के मामले में उन्होंने जीतू तींदोरी को पहचानने की बात कही, लेकिन किसी भी तरह के लेनदेन या अपनी भूमिका से इनकार किया.

पुलिस ने गुरुवार को नाना पटवारी को समन देकर पूछताछ के लिए बुलाया था. इस दौरान प्लॉट सौदों, डायरियों और मामले से जुड़े अन्य लोगों को लेकर सवाल किए. पुलिस अब पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है. मामले में पुलिस ने शुक्रवार को भरत पटवारी को भी पूछताछ के लिए तलब किया है. इसके अलावा पीड़ित संजय महाजन के घर पहुंचकर 20 लाख रुपए देने वाले जीतू तींदोरी को भी पूछताछ के लिए समन जारी करने की तैयारी है.

ऐसे खुला था मामला...

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में ड्रग तस्करों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जब नेटवर्क की जांच शुरू की तो फर्जी एग्रीमेंट, प्लॉट डायरियों और सट्टा कनेक्शन से जुड़े तथ्य सामने आए. पीड़ित संजय महाजन ने शिकायत में आरोप लगाया था कि शुभम वैली में फर्जी एग्रीमेंट के जरिए उनसे 11 लाख रुपए लिए थे .पीड़ित ने पुलिस को बताया मामले को निपटाने के लिए जीतू तींदोरी उसके घर पहुंचा था और धमकाकर 20 लाख रुपए नकद दिए थे. पीड़ित ने यह रकम पुलिस को सौंप दी थी. पुलिस अब प्लॉट फर्जीवाड़े, कथित 20 लाख रुपए के लेनदेन और ड्रग्स सट्टा नेटवर्क के बीच कड़ियां जोड़कर जांच कर रही है.

एक नजर में करोड़ों के विकास कार्यों के बाद भी जलभराव और जाम से जूझ रहा शहर

स्मार्ट सिटी के दावों पर बारिश का पानी, सड़कें बनीं तालाब

नव भारत न्यूज

इंदौर. स्मार्ट सिटी के दावों की हर बार बरसात पोल खोल देती है. करोड़ों रुपए के विकास कार्यों के बावजूद सड़कें तालाब बन जाती हैं, जल निकासी ठप पड़ती है और घंटों जाम में फंसी जनता नगर निगम की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल उठा रही है.

इंदौर स्मार्ट सिटी के नाम पर सड़क चौड़ीकरण, सुंदरीकरण और अन्य विकास कार्यों पर करोड़ों रुपए खर्च कर दिए, लेकिन हर बारिश के साथ इन दावों की हकीकत सामने आ ही जाती है. शहर के कई प्रमुख मार्गों पर कई जगहों पर दो दो फीट तक पानी भर जाता है, जिससे वाहन चालकों, राहगीरों और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है. जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से थोड़ी देर की बारिश भी घंटों लंबे ट्रैफिक जाम का कारण बन जाती है. यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि पिछले कई वर्षों से हर मानसून में यही हालात देखने को मिल रहे हैं. पिछले वर्ष भी नगर निगम ने जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान का दावा किया था, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस बदलाव दिखाई नहीं दिया. अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में लगातार बारिश की संभावना जताई जा रही है. ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या अगले साल भी शहरवासियों को जलभराव, जाम और अव्यवस्था की यही पुरानी पड़ेगी या नगर निगम अपने दावों को धरातल पर उतार पाएगा?

इनका कहना है...

हर साल बारिश में सड़कें तालाब बन जाती हैं, घर से निकलना मुश्किल हो जाता है, घंटों जाम में फंसना पड़ता है. करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद निगम आज तक स्थायी समाधान नहीं दे पाया.

– प्रवीण मिश्रा

थोड़ी बारिश में ही सड़कें डूब जाती हैं, वाहन बंद हो जाते हैं, लंबा जाम लग जाता है और समय के साथ आर्थिक नुकसान भी होता है. निगम को जल निकासी की व्यवस्था तत्काल सुधारनी चाहिए.

– मुकेश वर्मा

निगम द्वारा स्मार्ट सिटी के दावों की असली तस्वीर हर मानसून में सामने आ जाती है. विकास कार्यों पर खर्च तो हुआ, लेकिन जलभराव की समस्या जस की तस है, अब जवाबदेही तय होना जरूरी है.

– बंटी जरवाल